सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

प्रधान संपादकः रतन प्रकाश सिंह

www.swarajindianews.com swarajindianews swarajindianews

दैनिक सांध्यकालीन

स्वराज इंडिया

अखिलेश यादव और डिप्टी सीएम मौर्य के बीच जुबानी जंग हुई तेज

कानपुर, सोमवार, 17 मार्च, 2025
वर्षः 02, अंकः 80, पृष्ठः 8+4, मूल्यः ₹ 2/-

इनसाइड सपा नेताओं ने मनाई कांशीराम की जयंती... » Pg02

» Pg12

सीएम योगी ने जनमंच सभागार में युवाओं को किया संबोधित

एक जिला एक माफिया का युग समाप्त, अब एक जिला, एक उत्पाद

अखिलेश यादव पर कसा तंज, कहा- प्रदेश का मुखिया बारह बजे सोकर उठता था, तो कहां से होता विकास

» कार्यालय संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

सहारनपुर में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान एवं विभिन्न लोक-कल्याणकारी योजनाओं के कार्यक्रम में सीएम योगी।

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में सीएम योगी आदित्यनाथ विपक्ष पर हमला बोलते हुए कहा कि हमने प्रदेश को वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट दिया जबकि प्रदेश में हमसे पहले शासन करने वाली पार्टी ने वन डिस्ट्रिक्ट वन माफिया दिया था। आज प्रदेश में आम लोग, व्यापारी और बहन-बेटियां सुरक्षित हैं, माफिया नहीं। सीएम योगी मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान एवं अन्य ऋण योजनाओं के तहत जनमंच सभागार में युवाओं को सम्बोधित कर रहे थे। सीएम सोमवार की सुबह सहारनपुर पहुंचे। सबसे पहले उन्होंने मां शाकुंभरी विश्वविद्यालय का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री सहारनपुर में विकास कार्यों की समीक्षा कर रहे हैं। जनमंच सभागार में उन्होंने युवा उद्यमी योजना एवं अन्य ऋण योजनाओं के लाभार्थियों को चेक भी वितरित किए।

इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज उद्यमी और बेटियां सुरक्षित हैं। युवाओं को रोजगार दिया गया है। भाजपा की सरकार में अगर कोई असुरक्षित है, तो वह माफिया है, जिन्हें रसातल तक पहुंचाया गया है। अखिलेश यादव पर तंज कसते हुए कहा कि जब प्रदेश का मुखिया 12 बजे सोकर उठेगा और उसके बाद नहाना-धोना और मित्र मंडली से मुलाकात होगी तो विकास कहां से होता। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार ने काष्ठकला और हस्तशिल्प कारीगरों को वोट बैंक के तौर पर इस्तेमाल किया है, लेकिन भाजपा ने इन्हें आगे बढ़ाने का काम किया। काष्ठकला में आज सहारनपुर की वैश्विक स्तर पर पहचान हो चुकी है। यहां की प्रतिभा को उभारने की जरूरत है।

यूपी पुलिस भर्ती परीक्षा परिणाम को लेकर कहा कि अब किसी एक गांव से भर्ती नहीं होते, बल्कि हर जिले से प्रतिभाशाली भर्ती होते हैं। 1947 से 2017 तक जहां यूपी में केवल 10 हजार महिला पुलिसकर्मी थीं, वहीं हमने हाल ही में हुई 60244 की भर्ती में करीब 12 हजार महिला पुलिसकर्मियों को भर्ती किया है। अब भाई-भतीजावाद नहीं चलता।

कुंभ को लेकर भी सपा पर तंज कसा। कहा कि जो लोग कुंभ की व्यवस्थाओं पर सवाल उठा रहे थे, वह खुद भी संगम में डुबकी लगाने के लिए पहुंचे। कुंभ में 45 दिनों में 66 करोड़ लोग पहुंचे। एक स्थान पर इतने अधिक श्रद्धालुओं के लिए व्यवस्थाएं करना किसी अन्य के बस में नहीं है, यही यूपी की पहचान है। कार्यक्रम के दौरान 582 युवा उद्यमियों व 310 स्वयं सहायता समूहों को 49 करोड़ रुपये का ऋण वितरण किया गया।

कानून व्यवस्था की समीक्षा कर दिए दिशा-निर्देश

इससे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मां शाकुम्भरी विश्वविद्यालय के नवनिर्मित भवन का निरीक्षण किया। कार्यक्रम के बाद सर्किट हाऊस में अधिकारियों के साथ विकास व कानून व्यवस्था की समीक्षा कर दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान लघु-मध्यम उद्यम मंत्री राकेश सचान व सहारनपुर के प्रभारी मंत्री सुनील शर्मा समेत सभी विधायक व अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

जेल अधीक्षक पर उत्पीड़न का आरोप लगाने वाली डिप्टी जेलर का ट्रांसफर

» विशेष संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

वाराणसी। वाराणसी जेल अधीक्षक पर गंभीर आरोप लगाने वाली डिप्टी जेलर मीना कन्नौजिया का ही शासन द्वारा ट्रांसफर कर दिया गया है। मीना कन्नौजिया का ट्रांसफर वाराणसी जेल से सीधे नैनी जेल किया गया गया है। इसके पहले मीना कन्नौजिया ने सोशल मीडिया के माध्यम से एक वीडियो जारी करके वाराणसी जेलर उमेश सिंह पर गंभीर आरोप लगाए थे।

एक दिन पहले ही डिप्टी जेलर का वीडियो और शिकायती पत्र सोशल मीडिया पर साझा किया गया था, जो कि वायरल हो रहा है। इस बीच रविवार को डीआईजी जेल की संस्तुति पर मीना कन्नौजिया का नैनी जिला जेल तबादला कर दिया गया। जेल अधीक्षक पर पहले भी कई आरोप लगाए जा चुके हैं।

अपने शिकायती पत्र में मीना कन्नौजिया ने कहा है कि जेल अधीक्षक उनको अपने आवास पर आने के लिए मजबूर करते थे। उनके मन करने पर वह उनका मानसिक उत्पीड़न करते थे। कार्य स्थल पर भी वो अश्लील बातें किया करते थे। यहां तक कि वह उनके पहनावे पर भी टिप्पणी करते थे। उन्होंने कहा कि जब वह सदरी पहनती थीं तो कहते थे तुम्हे चुनाव लड़ना है क्या? इसके अलावा मीना कन्नौजिया ने कहा कि वह हर समय जातिगत बातें करते थे और कहते थे कि मैं ठाकुर हूं,योगी का रिश्तेदार हूं। मैं चुनाव लड़ कर जेल मंत्री बनूंगा और सब कुछ मेरे हिसाब से ही होगा।

डिप्टी जेलर मीना कनौजिया के अन्य आरोप

मीना ने अपने आरोपों में कहा कि उन्होंने मुझे अपने बंगेल पर बुलाया। इनकार करने पर मेरा उत्पीड़न शुरू कर दिया। मीना ने उमेश सिंह पर जातीय, भेदभाव के आरोप लगाए हैं। डिप्टी जेलर ने कहा कि वह पहवाने पर भी छींआकशी किया करते। डिप्टी जेलर मीना का आरोप है कि उमेश सिंह खुलेआम धमकियां दिया करते। तानाशाही का माहौल बना रखा था। इससे पहले भी उनके विरुद्ध कई शिकायतें हो चुकी हैं। लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। डिप्टी जेलर मीना का आरोप है कि जेल में किसी भी घटना के लिए जेल अधीक्षक उन्हें दोषी ठहरा दिया करते। ऐसा दबाव बनाने और प्रताड़ति करने के लिए करते। एक बार कैदियों ने खाना नहीं खाया तो इसका जिम्मेदार भी मुझे बना दिया। मीना कनौजियां ने उमेश सिंह से अपनी जान का खतरा जताया है।

सपा नेताओं ने मनाई कांशीराम की जयंती

स्वराज इंडिया सवाददाता

बिल्हौर। सपा बिल्हौर विधानसभा अध्यक्ष विनय यादव के नेतृत्व में शनिवार को ककवन ब्लाक परिसर में सपा नेताओं ने बसपा के संस्थापक कांशीराम की जयंती मनाई।

पार्टी के नेताओं कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए उन्हें याद किया। बिल्हौर विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि मान्यवर काशीराम ने अपना पूरा जीवन गरीबों के उत्थान में लगा दिया।

वे समाज के सुधारक थे। उन्होंने समाज के निचले पायदान के लोगों को जागरूक कर आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई। इस दौरान पूर्व जिला पंचायत सदस्य राजाराम गौतम, विधानसभा अध्यक्ष मेवा लाल गौतम, राम औतार यादव, सुमित, गोरे लाल, अंकित चक्रवर्ती समेत कई सपाई मौजूद रहे।

आरपीएस गौरव स्कूल में बच्चों ने खेली फूलों की होली

- बच्चों ने पर्यावरण के प्रति जागरूकता का संदेश दिया
- बच्चों को होलिका और प्रहलाद की कहानी सुनाई गई

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर।आरपीएस गौरव इंटरनेशनल स्कूल के बच्चों ने एक अनोखी होली मनाई। इस साल स्कूल में परंपरा और पर्यावरण दोनों का ध्यान रखते हुए बच्चों ने फूलों की होली खेल खूब मस्ती की। टीचर्स ने भी बच्चों के साथ खूब मस्ती की। स्कूल की प्रधानाचार्य ने बच्चों को होलिका और प्रहलाद की कहानी सुनाई गई। जिससे उन्हें पता चला कि बुराई पर

हमेशा अच्छाई की जीत होती है। फिर परिसर में बने स्कूल के बगीचे में बच्चों ने रंगों वाले फूलों की पंखुड़ियों से होली खेली। उन्होंने रंगीन पाउडर की जगह फूलों का इस्तेमाल किया,जो बहुत सुंदर लग रहा था।

स्कूल की प्रधानाचार्य लकी जैन ने कहा कि उनका मकसद बच्चों को होली का मतलब समझाना और उन्हें धरती का ध्यान रखना सिखाना था। डायरेक्टर आरती कटियार ने कहा कि बच्चों को फूलों के रंगों से खेलते देखकर उन्हें बहुत खुशी हुई। इस दौरान बच्चों के साथ टीचर्स भी बच्चों के रोल में आकर फूलों की होली खेली।आरपीएस गौरव इंटरनेशनल स्कूल की फूलों वाली होली ने एक नया उदाहरण पेश किया है, जो हर समाज वर्ग के लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक होने के लिए प्रेरित करेगा। इस दौरान स्कूल का स्टाफ भी मौजूद रहा।

साइबर ठगों की हरकत से आहत छात्रा ने मौत को लगाया गले

AI तकनीक के इस्तेमाल से छात्रा का बनाया नकली अश्लील वीडियो

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। झारखंड के जामताड़ा से शुरू हुआ भारत के अंदर साइबर क्राइम का सिलसिला अब लोगों के जीवन में मौत बनकर भी टूटता नज़र आने लगा है। यूं तो इस आधुनिक युग में जब से इंटरनेट का इस्तेमाल ज्यादा होने लगा तो साइबर क्राइम के नाम से जन्मा एक नया अपराध अपने शुरुआती दिनों में लोगों के बैंक खातों से पैसा गायब करने तक ही सीमित था परंतु अब साइबर क्राइम के अंदर दो नए अध्याय भी जुड़ चुके हैं जिसमें डिजिटल अरेस्ट और ऐ आई के माध्यम से किसी भी व्यक्ति का अश्लील वीडियो बनाकर उसे ब्लैकमेल करके पैसों की ठगी करना रहता है। परंतु आश्चर्य इस बात का होता है कि अब तक हमारे देश का प्रशासन इन पर पूरी तरह से अंकुश नहीं लग पाया है। यदि किसी व्यक्ति के साथ पैसों की ठगी होती है और वह अपने जिले के साइबर क्राइम के दफ्तर में शिकायत करने के लिए जाता है तो वहां पर मौजूद अफसरों के माध्यम से उसे पहले ही निराशा दे दी जाती है कि आपका पैसा वापस नहीं मिलेगा बाकी हम जांच करेंगे।

अब आते हैं अपनी असल खबर पर जिसमें साइबर ठगों

की वजह से होली के त्यौहार के दिन एक परिवार ने अपनी बिटिया खो दी। कानपुर काकादेव के नवीन नगर इलाके में रहने वाले एक पुलिस विभाग के सिपाही जिसकी मौजूदा तैनाती भदोही जिले के सुरियावां थाने में है। सिपाही की 21 वर्षीय बेटी छत्रपति शाहू जी महाराज कानपुर विश्वविद्यालय में बीपीएड द्वितीय वर्ष की छात्रा थी।

जिसने साइबर ठगों से परेशान होकर होली के दिन फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

मृतक छात्रा के पिता के अनुसार छात्रा को कई दिनों से अनजाने नंबरों से फोन आ रहे थे जिसमें फोन करने वाले लोग छात्रा को ब्लैकमेल करने लगे जब छात्रा ने उन नंबरों को ब्लॉक किया तो आपराधिक तत्वों के द्वारा छात्रा के पिता के व्हाट्सएप

मामा और मौसी को वीडियो भेजे जाने से छात्रा हुई थी आहत

पिता के अनुसार बेटी के एडिट किए गए अश्लील वीडियो जब मामा और मौसी के पास साइबर आपराधिक तत्वों के माध्यम से भेजे गए तो बेटी तनाव में आ गई जिस वजह से उसने होली के दिन आत्महत्या जैसा कदम उठाया। पिता के अनुसार उनकी बेटी की मौत का जिम्मेदार पुलिस प्रशासन को ठहराया गया है क्योंकि पिता के द्वारा विश्वविद्यालय पुलिस चौकी तथा कल्यानपुर थाने में 12 मार्च को ही लिखित शिकायत की गई थी जिसमें पुलिस के द्वारा जांच का आश्वासन दिया गया परंतु कोई एफआईआर दर्ज नहीं की गई ना ही आपराधिक तत्वों के खिलाफ कोई कार्यवाही की गई। वहीं इस पूरे मामले पर एसीपी अभिषेक कुमार पाण्डेय का कहना है कि मामला साइबर ठगों से जुड़ा है इसलिए जांच की जा रही है।

पर छात्रा का एडिट किया हुआ अश्लील वीडियो भेज कर उन्हें ब्लैकमेल किया जाना शुरू कर दिया गया उनसे कहा गया कि 50 हजार रुपए खाते में भेजो नहीं तो इसे वायरल कर देंगे। जब पिता के द्वारा बेटी से वीडियो का कारण पूछा गया तो बेटी के द्वारा पूरी आपबीती पिता को बताई गई कि यह वीडियो एडिट करके बनाए गए हैं। इस पर पिता निश्चिंत हो गए और बेटी को समझाकर ड्यूटी पर चले गए।

गुमनामी के कफन में दफन हो गईं सनसनीखेज हत्याएं

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। घाटमपुर, सचेंडी, कर्नलगंज और गोविंदनगर थानाक्षेत्रों में हत्या कर फेंके गए शवों की अब तक पहचान के साथ खुलासे नहीं हो सके हैं। इनमें दो युवतियां शामिल हैं, वहीं तीन का पोस्टमार्टम के बाद भी पता नहीं लग सका है, वह शव महिला का है, या पुरुष का। पुलिस हर बार की तरह जांच का राग अलाप रही है। जिससे हत्याएं गुमनामी के कफन में दफन हो गईं।

कानपुर में इन वारदातों के खुलासे दूर, पुलिस खेल रही जांच

कुछ यह घटनाएं बानगी

» केस-1 घाटमपुर में सिर, हाथ पैर काटकर बोरी में फेंका शव

घाटमपुर थानाक्षेत्र के रंजीतपुर गांव के तालाब में तीन मार्च को एक बोरे में धड़ मिला था। उसका सिर, दोनों हाथ, पैर गायब थे। पुलिस ने घटनास्थल के आसपास के 50 सीसीटीवी की फुटेज देखा लेकिन कोई संदिग्ध कार या व्यक्ति नहीं दिखा।

» केस-2-पॉलीथिन में लिपटाअधजला युवती का शव

दिसंबर 2024 में सचेंडी थानाक्षेत्र के भौंती से भीमसेन की ओर जाने वाली सड़क पर सुजानपुर रेलवे अंडरपास से 50 मीटर दूर एक पॉलीथीन में लिपटा हुआ युवती का शव मिला था। शव का चेहरा और कपड़े जले हुए थे। शव के पास ही एक रिंच और पोटली मिली। पोटली में नशीली गोलियां थीं। आशंका थी कि गाड़ी की डिक्की से शव उतारने के दौरान रिंच गिरा होगा। चार महीने बीतने के बाद भी शिनाख्त नहीं हो सकी है।

» केस-3- तीन बोरियों में पांच टुकड़ों में मिला था शव

17 जून 2023 को कर्नलगंज थानाक्षेत्र में पुलिस कमिश्नर आवास के पास तीन बोरियों में पांच टुकड़ों में

युवक का शव मिला था। इस सनसनीखेज वारदात को हल करने के लिए पुलिस की कई टीम और तेज तर्रार पुलिस कर्मी लगाए गए लेकिन कुछ पता नहीं चल सका। इसके बाद पुलिस ने पूरे भारत में उसकी प्रोफाइल की डिटेल भेजी थी। साथ ही दूरदर्शन और आकाशवाणी के साथ-साथ सोशल मीडिया से मदद ली लेकिन कोई सफलता नहीं मिली।

» केस-4-गोविंद नगर में सिर, हाथ, पैर काटकर फूंक दिया गया था शव

22 अगस्त 2023 को गोविंद नगर थानाक्षेत्र में कानपुर-इटावा हाईवे पर गुजैनी पुल के नीचे नौरैया खेड़ा में एक शव मिला था। शव का सिर, हाथ, पैर काटे गए थे। साथ ही शव को भी फूंक दिया गया था। तीन दिन तक पहचान न हो पाने के बाद पुलिस ने लावारिस में पोस्टमार्टम कर अंतिम संस्कार करा दिया था।

घटिया निर्माण पर ठेकेदार और इंजीनियर से होगी रिकवरी: डीएम कानपुर

डीएम जीतेंद्र प्रताप ने बताया कि अन्य जिम्मेदार अधिकारियों पर भी होगी कार्रवाई

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर नगर। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने चंपतपुर में नवनिर्मित राजकीय पौधशाला का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान उन्हें कई खामियां मिलीं, जिससे उन्होंने नाराजगी व्यक्त की। जिलाधिकारी ने संबंधित ठेकेदारद्व और इंजीनियर को रिकवरी के आदेश दिए हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि अन्य जिम्मेदार अधिकारियों पर भी आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

निरीक्षण के दौरान मिलीं मुख्य खामियां।

निर्माण कार्य में अनियमितता, परियोजना में देरी,जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे तत्काल खामियों को दूर करें और निर्माण कार्य को गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा करें।

उन्होंने यह भी कहा कि वे इस परियोजना की प्रगति की नियमित रूप से निगरानी करेंगे।

दोस्तों ने किया पत्नी के साथ गैंगरेप,सभी गिरफ्तार

» दोस्त को दारू पिलाकर बेसुध कर उसकी पत्नी को खेत में ले जाकर गैंगरेप किया

» पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा

स्वराज इण्डिया संवाददाता

कानपुर।...उसने सोचा नहीं था कि पावन रंगों के त्योहार को कुछ लोग बेरंग कर देंगे यही वजह थी कि उसने पांचों आरोपियों को बेरोक टोक घर में आने दिया लेकिन उसे नहीं पता था कि कल ही होलिका की अग्नि के सामने बुराइयों के त्याग की प्रार्थना करने वाले एक दिन बाद ही असुर बन जाएंगे। मनुष्य से दानव बने इन आरोपियों ने एक महिला की इज्जत को तार- तार कर दिया। महिला को होश आया तो उसके जीवन के रंग उड़ चुके थे। पति को आप बीती बताई तो उसके भी होश उड़ गए।

मामला दरअसल कानपुर कमिश्नरेट के थाना महाराजपुर का है। जहां होली पर्व पर एक गांव में राहुल निषाद उर्फ बाजीगर, उसका भाई सुनील, भोला, अरुण निषाद और गोविंद कुशवाहा गांव निवासी दोस्त के यहां होली मिलने और रंग खेलने के बहाने गए थे। युवकों ने दोस्त और मकान मालिक के बेटे को जमकर शराब पिलाई। जिसकी वजह से वह नशे में बेसुध हो गए। इसके बाद दोस्त की पत्नी से पांचों युवक छेड़छाड़ करने लगे। आरोप है कि जबरन खेत में ले जाकर सभी ने बारी- बारी से दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। और पीड़िता को बेहोशी की हालत में छोड़कर भाग निकले। ज़ब पीड़ित महिला को होश आया तो उसने किसी तरह घर पहुंचकर घटना की जानकारी दी। मामले की जानकारी पति ने पुलिस को दी और रिपोर्ट दर्ज कराई। जिसके बाद सक्रिय हुई पुलिस ने 24 घंटे के अंदर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। महाराजपुर थाने के अतिरिक्त प्रभारी अखिलेश कुमार पाल ने बताया कि सभी को चकेरी मोड़ से गिरफ्तार किया है। थाने लाकर सभी से पूछताछ के बाद कानूनी प्रक्रिया पूरी कर जेल भेज दिया है।

सम्पादकीय

नशीले कारोबार के हर मोर्चे पर लड़े पंजाब

लगातार चुनौती बने नशीली दवाओं के कारोबार के खिलाफ पंजाब सरकार ने एक महत्वाकांक्षी युद्ध शुरू किया है। सरकार का दावा है कि तीन महीने के भीतर इस समस्या का खात्मा कर दिया जाएगा। इसी क्रम में विभिन्न सरकारी विभागों ने सैकड़ों छापे डाले, तीन सौ के करीब गिरफ्तारियां और बड़े पैमाने पर नशीले पदार्थों की बरामदगी हुई। निस्संदेह, यह कार्रवाई अभियान आक्रामक व तेज है, लेकिन ऐसे अभियान चलाने के दावे विगत में किए जाते रहे हैं। दरअसल, सबसे बड़ा संकट यह है कि पाकिस्तान, अफगानिस्तान और ईरान में हेरोइन उत्पादन के केंद्र- गोल्डन क्रिसेंट के निकट होने के कारण पंजाब लंबे समय से मादक पदार्थों की तस्करी से जूझ रहा है। सवाल यह है कि मान सरकार का नशे के कारोबार के खिलाफ जारी अभियान कामयाबी की नई इबारत लिख पायेगा? उल्लेखनीय है कि मान के नेतृत्व वाले प्रशासन ने नशामुक्ति और पुनर्वास प्रयास के साथ ही प्रवर्तन एजेंसियों के जरिये एक व्यापक रणनीति को अंजाम देने की कोशिश की है। इस अभियान में नशामुक्ति केंद्रों और डॉक्टरों द्वारा लिखी जाने वाली दवाओं की बिक्री को विनियमित करने पर ध्यान देकर एक कारगर पहल की गई है। हालांकि, इस अभियान की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि क्या हम इस समस्या की जड़ पर प्रहार कर पाए हैं? दरअसल, इस संकट के मूल में जहां राजनीतिक जटिलताएं, सीमा से जुड़ी समस्याएं हैं, वहीं युवाओं के लिये रोजगार से जुड़े विकल्पों की भी कमी है।उल्लेखनीय है कि पंजाब में विगत में भी ऐसे दावे किए गए हैं। वर्ष 2017 में तत्कालीन मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने चार हफ्ते में नशे के कारोबार को खत्म करने का वादा किया था। निस्संदेह, उनकी सरकार ने भी इस दिशा में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए थे। जिसमें सरकारी कर्मचारियों के लिये भी वार्षिक दवा परीक्षण तथा अधिकारियों की नशीली दवाओं के दुरुपयोग रोकथाम की जवाबदेही शामिल थी। लेकिन उसके बावजूद नशीली दवाओं का संकट जारी रहा। इससे पहले बादल के नेतृत्व वाली अकाली सरकार की भी नशे के खिलाफ शुरू की गई लड़ाई सिरे नहीं चढ़ सकी। दरअसल, नशे के कारोबार से जुड़े बड़े माफिया के खिलाफ कारगर कार्रवाई न हो सकने के कारण ये अभियान प्रभावी नहीं हो पाते।

इस कार्रवाई का शिकार वे लोग होते हैं जो नशीली दवाओं के अंतिम उपयोगकर्ता नशेड़ी होते हैं। जो आमतौर पर गरीब लोग होते हैं। वहीं दूसरी ओर नशे का बड़ा कारोबार निर्बाध रूप से चलता रहता है। आखिर क्या वजह है कि भारी पुलिस व्यवस्था के बावजूद नशीली दवाओं की बड़ी खेप पंजाब में आसानी से प्रवेश कर जाती है। जो व्यवस्थागत संरचनात्मक मुद्दों की खामियों की ओर इशारा करती है। दरअसल, दीर्घकालिक दृष्टिकोण के बिना कोई भी कार्रवाई स्थायी परिवर्तन लाने में विफल ही रहेगी। सीमा पर सख्त नियंत्रण करने, न्यायिक दक्षता और समाज को जागरूक करने की जरूरत है। वहीं सुखद है कि हिमाचल सरकार ने छह माह में नशे के नेटवर्क को ध्वस्त करने का संकल्प जताया है, जिसमें तस्करों की संपत्ति जब्त करने व संदिग्ध खातों की जांच भी शामिल है।

मोदी और केरल में ईश्वर का हाथ

ज्योति मल्होत्रा

आप कल्पना कर सकते हैं कि भाजपा इतनी खुश क्यों है। राजधानी दिल्ली समेत, उत्तर भारत के अधिकांश हिस्सों में जीत हासिल करने के बाद उसे पता है कि अब दक्षिणी मोर्चे में भी सेंध लगाना जरूरी हो गया है।

मध्यवर्गीय भारत का बिगड़ैल लाल यानी तिरुवनंतपुरम से कांग्रेस सांसद शशि थरूर इन दिनों एक लघु तूफान में फंसे हुए हैं, और यह सब इंडियन एक्सप्रेस के साथ 45 मिनट के पॉडकास्ट में मलयालम में उनके कहे चार शब्दों वाले एक वाक्य की वजह से है 'मेरे पास दूसरे विकल्प हैं।' चार बार के सांसद थरूर 2009 में किए गए अपने ट्वीट 'मैं हमारी सभी पवित्र गायों का साथ देने के लिए कैटल क्लास में यात्रा करने जा रहा हूं', जिसने मितव्ययिता के नारे के इर्द-गिर्द घड़े पाखंड के असामान्य प्रदर्शन पर तंजकर देश को खूब हंसाया था, उस वक्त के बाद से वे एक लंबा सफर तय चुके हैं- हालांकि, खुद सोनिया गांधी ने ऐसी शब्दावली के लिए उनकी ताड़ना की थी।

हो सकता है थरूर की टिप्पणियों पर उठा नवीनतम विवाद भी सप्ताहांत तक ठंडा पड़ जाए, खासकर जब केरल कांग्रेस के नेताओं और पार्टी आलाकमान के बीच 2026 में केरल के आगामी चुनाव को लेकर होने वाली तैयारी बैठक होगी, और सांसद की आहत हुई भावना को शांत करने का प्रयास किया जाए। पार्टी के सभी गुटों के बीच एकता दिखाने की बात पहले ही कही जा रही है।वायनाड से सांसद प्रियंका गांधी, वहां से पूर्व सांसद और उनके भाई राहुल गांधी और कांग्रेस संगठन के प्रभारी महासचिव और अलपुझा से सांसद केसी वेणुगोपाल- इस पुरानी पार्टी में सबसे शक्तिशाली तिकड़ी- निश्चित रूप से अपने चुनावी अभियान की अगुवाई इस पेशकारी से करेंगे 'भगवान के अपने देश में सब ठीक है और कांग्रेस अगले साल सत्ता में वापस आएगी।'सिवाय इसके कि दक्षिणी राज्य में मंथन चल रहा है और अरब सागर की फ़िजां इन दिनों कुछ बदली-सी है। पिछले हफ्ते कोचीन में हुए निवेशक शिखर सम्मेलन में भाजपा नेता पीयूष गोयल और केरल के मुख्यमंत्री और सीपीआई (एम) नेता पिनाराई विजयन को दिल खोलकर हंसते हुए देखा गया। कुछ ही दिनों बाद, सीपीएम ने केरल की अपनी सभी पार्टी इकाइयों को एक नोट भेजा, जिसमें बताया गया कि पार्टी मोदी सरकार को 'फासीवादी या नव-फासीवादी' क्यों नहीं बता रही।इसमें कोई संदेह नहीं कि यह टिप्पणी 6 मार्च को कोल्लम में होने जा रहे सीपीएम के 24वीं पार्टी सम्मेलन में बहस के केंद्र में होगी। कुछ लोगों का कहना है कि यह पार्टी में शक्तिशाली प्रकाश करात गुट द्वारा अपनाई कांग्रेस विरोधी नीति की वापसी है- पिछले सितंबर में सीताराम येचुरी की दुर्भाग्यपूर्ण मृत्यु के बाद, जिन्होंने हमेशा विपक्षी एकता के लिए जोर दिया और मानते थे कि कांग्रेस पार्टी इसका धड़कता दिल है। इसलिए इन दिनों केरल में थरूर की महत्वाकांक्षाओं से बड़ा सवाल यह है कि क्या वामपंथी भाजपा के प्रति नरम रुख अपना रहे हैं? और क्या वे कोल्लम पार्टी सम्मेलन में भाजपा को नहीं, बल्कि कांग्रेस को वामपंथ का मुख्य राजनीतिक दुश्मन बताने की ओर लौटेंगे- यह सब इसलिए क्योंकि राज्य में कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूडीएफ इसकी मुख्य प्रतिद्वंद्वी है?तो कल्पना कीजिए कि इस सोच की कितनी संभावना है, खासकर जब भाजपा दक्षिण भारत में अपनी जगह बनाने के वास्ते कड़े प्रयास कर रही है। क्या विजयन और नरेन्द्र मोदी केरल में कांग्रेस को खत्म करने के वास्ते सच में एकजुट हो सकते हैं, भले ही यह पूरी तरह से पर्दे के पीछे हो? प्रिय पाठक, इस विचार को जरा यहीं थामकर रखें, क्योंकि अभी और भी बहुत कुछ बाकी है। हाल ही में इंडिया टुडे मूड ऑफ द नेशन सर्वे ने हैरान किया कि केरल में भाजपा का वोट शेयर हर दिन बढ़ रहा है- लोकसभा चुनाव में उसे 17 प्रतिशत वोट मिले थे, लेकिन यदि आज चुनाव हों तो यह 24 प्रतिशत हो सकता है। और वोट शेयर में 2 प्रतिशत की गिरावट के साथ वामपंथियों को नुकसान होगा।आप कल्पना कर सकते हैं कि भाजपा इतनी खुश क्यों है। राजधानी दिल्ली समेत, उत्तर भारत के अधिकांश हिस्सों में जीत हासिल करने के बाद- हिमाचल प्रदेश की चार सीटें अपने पास होने और पंजाब की 13 सीटों पर अगली नज़र के साथ- उसे पता है कि अब दक्षिणी मोर्चे में भी सेंध लगाना जरूरी है। कुछ समय से तमिलनाडु पर ध्यान केंद्रित होने की वजह से जाहिर है केरल में विस्तार पर जोर कम रहा।केरल के सर्वप्रिय गुरुवायूर मंदिर गृहक्षेत्र त्रिशूर से पिछले साल पूर्व अभिनेता सुरेश गोपी ने लोकसभा सीट जीतकर भाजपा के खिलाफ रही केरल की वर्जना को तोड़ा था। पार्टी का मानना है कि नायर समुदाय, जो कभी वामपंथियों की रीढ़ हुआ करता था, बहुत जल्द उसकी तरफ झुक जाएगा। मंदिर में जाकर दीया जलाने में कुछ भी गलत नहीं दिखता।बड़ी समस्या, ज़ाहिर है, यह है कि भाजपा के पास अभी भी राज्य में नेतृत्व करने के लिए कोई उचित चेहरा नहीं है- पूर्व आईटी मंत्री राजीव चंद्रशेखर काफी पढ़े-लिखे हैं और थरूर से तिरुवनंतपुरम छीन भी सकते थे, सिवाय इसके कि उन्होंने ऐसा किया नहीं। इसलिए जब चार बार के कांग्रेस सांसद ने पिछले हफ्ते कहा 'अगर पार्टी मेरी ताकत का इस्तेमाल करना चाहती है, तो मैं बना रहूंगा, अगर नहीं, तब मेरे पास दूसरे विकल्प हैं', तो पूरे देश में चटपटी राजनीतिक चर्चा छिड़ गई। तो क्या थरूर कांग्रेस छोड़कर भाजपा या वामपंथ में शामिल होंगे? क्या वे कांग्रेस के भीतर ज्यादा जगह बनाने को कसमसा रहे हैं, उदाहरण के लिए, मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार बनने की खातिर दबाव डालना? ऐसे में केरल की तिकड़ी-प्रियंका गांधी, राहुल गांधी और वेणुगोपाल- क्या थरूर को मनाने में भूमिका निभाएगी? क्या

आत्मनिर्भरता में आर्थिक चुनौतियों का समाधान

अमेरिकी मनमानी

सुरेश सेठ

निर्विवाद रूप से ट्रंप के सत्ता में आने के बाद उपजे हालात से मुकाबले के लिये एकमात्र समाधान केवल आत्मनिर्भरता, लघु और कुटीर उद्योगों के विकास और सहकारिता आंदोलन को गति देने में है।दुनियाभर में पर्यावरण प्रदूषण और असाधारण मौसम परिवर्तन ने गंभीर संकट पैदा कर दिया है। जब समृद्ध देशों से इस संकट का समाधान खोजने की अपील की गई, तो वे इससे पल्ला झाड़ते हुए नजर आए, और इनमें सबसे प्रमुख अमेरिका था। इसके अलावा, राष्ट्रपति ट्रंप ने 'अमेरिका अमेरिकियों के लिए' का नारा देते हुए, अवैध रूप से वहां रह रहे आप्रवासियों को उनके देशों में वापस भेजने की नीति अपनाई है।

ये कदम अमेरिका की नीतियों का हिस्सा हैं, भले ही अंतर्राष्ट्रीय कूटनीति के तहत मैत्रीपूर्ण संबंधों का दिखावा किया जा रहा हो।

अमेरिका ने यह घोषणा की है कि वह अब अपने मूल्यवान आर्थिक संसाधनों को तीसरी दुनिया के देशों में क्यों लौटाए। वर्ष 1961 से अमेरिका एक आर्थिक सहायता कार्यक्रम चला रहा था, जिसके तहत पिछड़े देशों में मानवीय और आर्थिक संसाधनों का विकास किया जाता था, और लोकतंत्र की स्थापना की दिशा में काम किया जाता था। इस कार्यक्रम के तहत अमेरिका सालाना करीब 496 करोड़ डॉलर खर्च करता था। भारत में लोकतंत्र को प्रोत्साहित करने और वोटरों को मतदान के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से अमेरिका प्रतिवर्ष एकमुश्त रकम खर्च करता था। हालांकि, डोनाल्ड ट्रम्प ने सत्ता संभालते ही इस सहायता को बंद कर दिया, यह मानते हुए कि हर देश को अपनी लोकतांत्रिक व्यवस्था को खुद मजबूत करना चाहिए।इतना ही नहीं, जब मोदी मैत्री वार्ता के लिए अमेरिका गए, तो वार्ता शुरू होने से पहले अमेरिका ने अपनी टैरिफ नीति घोषित कर दी, जिसका मूलमंत्र था 'जैसे को तैसा'। हाल ही में डोनाल्ड ट्रम्प ने भारत के बारे में यह बयान दिया कि भारत के पास पर्याप्त धन है और वह टैक्स उगाहने में माहिर है, इसलिए अमेरिका भी अपने आयात में ऊंचे टैक्स लगाकर इसका प्रतिवाद करेगा। अमेरिका का आरोप है कि भारत ने उसके

सामान पर उच्च टैक्स लगा रखा था, जबकि अमेरिका भारतीय आयात पर कम टैक्स लगाता था। फलत: ट्रम्प ने भारत पर भी टैरिफ बढ़ा दिए।अर्थशास्त्री कहते हैं कि अगर अमेरिकी नीतियों से महंगाई बढ़ती है तो इससे भारत में मुद्रास्फीति पर नियंत्रण पाना मुश्किल हो जाएगा। इसके अलावा, यदि भारतीय निर्यात पर 20 प्रतिशत का टैरिफ लागू कर दिया जाता है, तो भारत की जीडीपी में गिरावट हो सकती है। यह स्थिति खासतौर पर चिंताजनक है, क्योंकि भारत 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य रखता है। इसके लिए आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि भारत को अपनी जीडीपी में 8 प्रतिशत की विकास दर बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है। पिछले वित्तीय वर्ष की अंतिम तिमाही में भारत की विकास दर 7 प्रतिशत से घटकर पौने 6 प्रतिशत पर आ गई थी। हालांकि, भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) का अनुमान है कि भारत 7 प्रतिशत विकास दर हासिल करने में सक्षम रहेगा। लेकिन अब अमेरिकी हित संरक्षण की नीति सामने आ गई है, जिसमें ट्रम्प भारत के साथ 'जैसे को तैसा' नीति लागू करने की बात कर रहे हैं। इसके परिणामस्वरूप, भारत के विभिन्न उद्योगों को नुकसान हो सकता है। यदि यह टैरिफ शुल्क लागू हो जाता है, तो भारतीय निर्यात क्षेत्र को बड़ा धक्का लगेगा। निर्यातकों को टैरिफ चुकाने के बाद उनकी लागत पूरी नहीं हो पाएगी, जिससे वे निर्यात बढ़ाने के प्रति कम उत्साहित हो सकते हैं।

इस वर्ष के नए आंकड़े दर्शाते हैं कि हमारा निर्यात पिछले वर्ष की तुलना में कम हो गया है, जबकि आयात की मांग में कोई कमी नहीं आई। अब स्थिति यह बन गई है कि यदि अमेरिका से आने वाली वस्तुएं महंगी हो जाती हैं और हमारी मांग लगातार बनी रहती है, तो रुपये का मूल्य डॉलर के मुकाबले गिरता जाएगा। जिसका मतलब है कि आयातित वस्तुएं महंगी हो जाएंगी। यदि अमेरिका अपनी दरें बढ़ाकर इसे भारतीय टैरिफ के बराबर कर देता है, तो इससे भारत में आयातित वस्तुएं महंगी हो जाएंगी, जिससे मुद्रास्फीति को और बढ़ावा मिलेगा। सरकार को इस दिशा में गंभीरता से सोचना होगा। हालांकि, वैश्विक आर्थिक अस्थिरता और ट्रंप सरकार की मनमानी से शेयर बाजार को भारी नुकसान हुआ है। यह विदेशी निवेश की दृष्टि से एक निराशाजनक स्थिति है।इस समय चुनौती यह है कि जो वस्तुएं हम अमेरिका से मंगवाते हैं, उनमें जीवनरक्षक दवाइयां, निर्माण कार्य में उपयोग होने वाले उपकरण और विद्युत उपकरण आदि शामिल हैं, जो भारतीय निवेशकों के लिए भी कई मायनों में महत्वपूर्ण हैं। यदि ये तमाम वस्तुएं महंगी हो जाती हैं, तो भारतीय निवेश पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा, और निर्यात वस्तुओं का उत्पादन घटने की संभावना बढ़ जाएगी। इससे साफ है कि भारत के विकास दर को बनाए रखने का लक्ष्य मुश्किल हो जाएगा।निर्विवाद रूप से अमेरिका में राष्ट्रपति ट्रंप के सत्ता में आने के बाद उपजे हालात में चुनौती के मुकाबले के लिये इसका एकमात्र समाधान केवल आत्मनिर्भरता, लघु और कुटीर उद्योगों के विकास और सहकारिता आंदोलन को गति देने में है।

सिंपल और क्लासी लुक के लिए पहनें प्रिंटेड साड़ियां...

ऑफिस या इवेंट में लगेंगी खूबसूरत

मौके पर ऑफिस में पार्टी या फिर कई तरह के इवेंट होते हैं। ऐसे में अगर आप भी इस खास मौके पर साड़ी पहनने की सोच रही हैं, तो आप प्रिंटेड साड़ी पहन सकती हैं। जो आपको सिंपल और क्लासी लुक देने में मदद करेंगी...

परिधान मंत्रा

शालिनी पारेख

ऑफिस में पार्टी या फिर कई तरह के इवेंट होते हैं। पार्टी और इवेंट के दौरान अगर आप सिंपल और क्लासी नजर आना चाहती हैं, तो आप साड़ी वियर कर सकती हैं। बता दें कि साड़ी का फैशन एवरग्रीन है और बहुत सारी महिलाएं साड़ी पहनना पसंद करती हैं। ऐसे में अगर आप भी इस खास मौके पर साड़ी पहनने की सोच रही हैं, तो आप प्रिंटेड साड़ी पहन सकती हैं। जो आपको सिंपल और क्लासी लुक देने में मदद करेंगी। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको साड़ी के कुछ ऑप्शन के बारे में बताने जा रहे हैं, ऐसे में आप इन साड़ियों को वियर कर अपने लुक में चार चांद लगा सकती हैं।

जरी वर्क साड़ी

विमेंस डे के मौके पर आप ऑफिस में फ्लोरल जरी वर्क साड़ी पहनकर जा सकती हैं। इस दिनों फ्लोरल प्रिंट वाली साड़ी काफी ज्यादा ट्रेंड में है। स्टाइलिश लुक पाने के लिए यह साड़ी परफेक्ट ऑप्शन हो सकती है। इस साड़ी में आपको कई तरह के पैटर्न और कलर ऑप्शन मिल जाएंगे। फ्लोरल प्रिंट साड़ी में यकीनन आपका लुक बेहद खूबसूरत नजर आएगा। वहीं 1,000 से 2,000 रुपए तक की कीमत में आप इस तरह की साड़ी खरीद सकती हैं।

इस तरह की फ्लोरल प्रिंट साड़ी के साथ आप ब्लैक कलर का ब्लाउज पहन सकती हैं। वहीं ज्वेलरी में लॉन्ग झुमके स्टाइल कर सकती हैं। इसके साथ ही फुटवियर में हील्स या फ्लैट्स कैरी कर सकती हैं।

प्रिंटेड कॉटन साड़ी

क्लासी और एलीगेंट लुक पाने के लिए आप ऑफिस या इवेंट में प्रिंटेड कॉटन साड़ी का चुनाव कर सकती हैं। यह साड़ी पहनने के बाद काफी खूबसूरत लगती है। इस साड़ी में आपको कई कलर और डिजाइन मिल जाएंगे। वहीं आप ऑनलाइन या ऑफलाइन दोनों तरह से यह साड़ी खरीद सकती हैं। इस साड़ी के साथ आप हाफ या फुल स्लीव्स वाले ब्लाउज कैरी कर सकती हैं। इसके साथ आप मिरर वर्क वाली ज्वेलरी वियर कर सकती हैं।

एब्स्ट्रेक्ट प्रिंट साड़ी

अगर आप कुछ नया ट्राई करना चाहती हैं तो आपको एब्स्ट्रेक्ट प्रिंट साड़ी का चुनाव करना चाहिए। यह साड़ी क्लासी लुक पाने के लिए परफेक्ट ऑप्शन हो सकता है। इस तरह की साड़ी में आपको कई तरह के कलर और पैटर्न ऑप्शन मिल जाएंगे। मार्केट में 1,500 रुपए तक में आराम से यह साड़ी मिल जाएगी। इस साड़ी के साथ बैकलेस ब्लाउज या फिर हाल्टर नैक डिजाइन वाला ब्वाउज पहन सकती हैं। वहीं आप पर्ल वर्क वाली ज्वेलरी वियर कर सकती हैं।

गलत व्यक्ति को डेट करने की न करें भूल

नीलम सिंह

जब रिश्तों की बात आती है, तो हम जिन लोगों को डेट करने के लिए चुनते हैं, वे हमारे जीवन को बहुत गहराई से आकार दे सकते हैं। जबकि प्यार और आकर्षण अक्सर निर्णय को धुंधला कर देते हैं, कुछ व्यक्ति ऐसे गुण या व्यवहार रखते हैं जो संतुष्टि देने के बजाय अधिक नुकसानदेह हो सकते हैं। चाहे वह हमेशा झूठ बोलने वाला हो, पश्चाताप न करने वाला नार्सिसिस्ट हो, या हमेशा शिकायत करने वाला हो, ऐसे लोगों को डेट करने से भावनात्मक उथल-पुथल हो सकती है और आपकी भलाई से समझौता हो सकता है। इन लाल झंडों को जल्दी पहचानना आपको दिल टूटने से बचा सकता है और सही कनेक्शन खोजने के लिए एक स्वस्थ मार्ग बनाए रखने में आपकी मदद कर सकता है।

रिलेशनशिप कोच और लेखक जावल भट्ट ने आज की दुनिया में डेटिंग से बचने के लिए लोगों के प्रकारों पर मूल्यवान अंतर्दृष्टि साझा की। अपनी बात को स्पष्ट करने के लिए, उन्होंने एक शानदार उदाहरण दिया, कोई ऐसा व्यक्ति जो एक दिन आप पर प्यार बरसाता है लेकिन अगले दिन आपको महत्वहीन समझकर खारिज कर देता है। भट्ट ने इस बात पर जोर दिया कि इस तरह का अनिश्चित और असंगत व्यवहार एक बड़ा खतरा है, और ऐसे व्यक्तियों से डेटिंग करने से बचना सबसे अच्छा है जो इस पैटर्न को प्रदर्शित करते हैं। जहां आपको हमेशा यह डर बना रहता है कि आज वे किस मूड में होंगे। इसका मतलब है कि ऐसे रिश्ते में होना जहां आप लगातार इस बात को लेकर चिंतित रहते हैं कि वे उस दिन कैसा महसूस करेंगे या कैसा व्यवहार करेंगे। आप कभी भी निश्चित नहीं होते कि वे खुश होंगे, नाराज़ होंगे या परेशान होंगे, और यह अनिश्चितता आपको चिंतित महसूस कराती है।

जहां आपको उन्हें या उनके मूड स्विंग को समझने के लिए हमेशा विश्लेषण करना पड़ता है- इसका मतलब है कि आपको यह जानने की कोशिश में बहुत समय बिताना पड़ता है कि वे क्या सोच रहे हैं या क्या महसूस कर रहे हैं। उनका व्यवहार इतनी बार बदलता है कि आपको ऐसा लगता है कि आप उन्हें समझने के लिए पहेली सुलझा रहे हैं, जो थका देने वाला हो सकता है।

भट्ट ने कहा, ऐसे लोगों के साथ डेटिंग करना जहां आप हर रोज़ अपना मानसिक संतुलन खो रहे हैं, जहां आपको हमेशा यह डर बना रहता है कि आज वे किस मूड में होंगे, जहां आपको हमेशा उनका विश्लेषण करना पड़ता है, उन्हें या उनके मूड स्विंग को समझने के लिए बहुत कुछ पढ़ना पड़ता है। समझें, आपकी मानसिक शांति कभी भी एक विकल्प नहीं है। इससे बाहर निकलें, उन्हें जाने दें।

उन्होंने बहुत कड़ा संज्ञान लिया

मजा आता है जब पुराने, अनुभवी, तेज तर्रार कानून के साथ खिलवाड़ करने वाले माफिया के खिलाफ नई सख्त कार्रवाई के आदेश दिए जाते हैं। यह भुला दिया जाता है कि ऐसी कारवाई से तबादले अविलम्ब हो जाते हैं, इंसानी शरीर डरने लगते हैं और आदेश पैदा होते ही घबराना शुरू कर देते हैं।

व्यंग्य

संतोष उत्सुक

अपने चुनाव क्षेत्र में, माफिया के सक्रिय होने की सिर्फ एक खबर पढ़कर मंत्रीजी ने, सम्बंधित मामले में कुछ जयादा ही कड़ा संज्ञान लिया। तुरंत बेहद सख्त कार्रवाई के स्पष्ट आदेश क्या दिए, माहौल में पंद्रह बीस दिन के लिए तो हडकंप मच गया। सरकार जब नई नई हो, पुराना प्रशासन ढीला पड़ा हो, कई तरह के माफिया और विपक्ष सक्रिय हों तो कुछ छोटा सा भी हो जाने पर हंगामा बैठक रखनी ही पड़ती है। यह तो बड़ी घटना थी जी, सो कड़ा संज्ञान जरूरी था। वह बात दीगर है कि जोरदार और शोरदार बैठक में, समोसे और चाय ठंडे हो गए।

मजा आता है जब पुराने, अनुभवी, तेज तर्रार कानून के साथ खिलवाड़ करने वाले माफिया के खिलाफ नई सख्त कार्रवाई के आदेश दिए जाते हैं। यह भुला दिया जाता है कि ऐसी कारवाई से तबादले अविलम्ब हो जाते हैं, इंसानी शरीर डरने लगते हैं और आदेश पैदा होते ही घबराना शुरू कर देते हैं। हमारी पारम्परिक आदेश संस्कृति यही रही है जी। माफियाजी को पता होता है कि कुछ दिन हल्ला होगा फिर सब सामान्य हो जाएगा। वह मन ही मन खुश होते हैं कि इस बहाने उन्हें ज्यादा चौकस रहने का मौका मिलेगा।

किसी को पता नहीं था इसलिए मंत्रीजी ने यह राज सभी को बताया कि वन भूमि पर अवैध खनन करना, हरी भरी वनस्पति को हानि पहुंचाना मानव जीवन का सबसे बड़ा अपराध है। बताया जा रहा है, कड़ा संज्ञान लेने की जबर्दस्त खबर मात्र से, पिछले कई सालों से सुस्त पड़े कई विभाग हरकत में आ गए हैं। उन्होंने आराम से बैठने के लिए नया फर्नीचर मंगाया है ताकि माफिया से निबटने के लिए कुछ नई ठोस योजनाएं पकाई जा सकें। वास्तव में माफियाजी तो ऐसा पुण्य करने के लिए कब से तैयार थे। अब उन्हें अवसर मिला है, उम्मीद है कड़े संज्ञान के सामयिक कदम से काफी लोगों का भला होगा। सभी समझदार व्यवसायी थोड़ी बहुत रोकटोक के साथ पर्यावरण की ज्यादा देखभाल कर पाएंगे। कोर्ट के आदेशों की विनम्र अवहेलना कर विकास योजनाओं को समृद्ध कर सकेंगे।

इस संज्ञान के बहाने विपक्ष का भला भी हो गया है। उन्हें काफी समय से सरकार का पुतला बनवाकर चौक पर उसकी पिटाई करने का सुअवसर नहीं मिल रहा था। हालांकि जब वे सरकार चला रहे थे तब भी माफिया को

पटाए रखने के लिए उन्हें भी काफी कड़ा संज्ञान, कई बार लेना पडा था। तब भी बड़ी मुश्किल से बात बनी थी। यह नहीं पता कि उन्होंने अभी लिए गए कड़े संज्ञान से जयादा कड़ा संज्ञान लिया था या काम चलाऊ नरम संज्ञान। कुछ भी हो जी, मंत्रीजी के ताजातरीन कड़े संज्ञान के कारण, परिस्थितिवश सोच विचार कर, माफिया को भी सीमाओं से बाहर जाकर, सामूहिक रूप से कड़ा संज्ञान लेना पड़ा है।

डीएम ने बिल्हौर में आयोजित समाधान दिवस में सुनीं एक सैकड़ा शिकायतें

मात्र एक का हुआ निस्तारण

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर। जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह ने आज नवनिर्मित राजकीय पौधशाला, चंपतपुर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कई खामियां मिलीं। इस पर जिलाधिकारी ने संबंधित ठेकेदार व इंजीनियर से रिकवरी के निर्देश दिए। कहा कि जिम्मेदार अधिकारियों पर भी होगी आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। बिल्हौर पहुंचे डीएम के के समाधान दिवस में कुल 121 शिकायतें दर्ज की गईं। जिनमें से मात्र एक शिकायत का मौके पर निस्तारण किया जा सका।

जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह पहली बार बिल्हौर समाधान दिवस में पहुंचे। तेज तर्रार छवि का होने के कारण भारी संख्या में फरियादी अपनी शिकायतें लेकर पहुंचे। लेकिन अधिकांश को निराश ही होना पड़ा।

साहब फर्जी मुकदमें दर्ज कराकर जिंदगी बर्बाद कर दी

पीड़ित ने एसीपी बिल्हौर को सुनाई दास्तान
पूर्व में लिखे मुकदमों की जांच कराने की मांग की

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर। साहब !राजनीतिक लोगों ने मेरे व मेरे परिवार पर फर्जी मुकदमा दर्ज कराकर जिंदगी बर्बाद कर दी है। अब मेरे सामने आत्महत्या करने के अलावा कोई चारा नही बचा है। मुकदमों की जांच करवाकर न्याय दिलाइए। ये अर्जी लेकर रविवार को एसीपी कार्यालय बिल्हौर पहुंचे कोतवाली क्षेत्र के ग्राम चन्द्रपुरा निवासी हरीलाल ने एसीपी बिल्हौर अमरनाथ को शिकायती पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई है।

एसीपी से शिकायत करते हुए पीड़ित ने बताया कि वह गरीब अनुसूचित जाति का है और नौकरी की तलाश में है। आरोप है कि दिनांक 28.02.2025 को कुछ राजनीतिक लोगों ने निजी हित के चलते साजिश के तहत रामचन्द्र पुत्र कालिका प्रसाद द्वारा मेरे व मेरे सभी भाईयों एवं पिता के ऊपर एक फर्जी मुकदमा दर्ज करा दिया है।

तथा मेरे भाई पर पूर्व में इससे पहले दिनांक 12.03.2024 तथा 3.011.2022 को राजनीतिक लोग फर्जी मुकदमा दर्ज करा चुके है।

इन मुकदमों की जांच कराकर न्याय दें।

मामले में एसीपी बिल्हौर अमरनाथ ने बताया कि पूर्व में जो मुकदमें लिखे गए उसमें चार्जशीट लग चुकी है। दिनांक 28.02.2025 को जो मुकदमा लिखा गया है। उसकी जांच की जा रही है।

भाजपा ने शुरू की आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारी, जिलाध्यक्षों की सूची में दिखाया जातीय संतुलन

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। भाजपा ने जिलाध्यक्षों की सूची जारी करने में जातीय संतुलन और महिलाओं को समायोजित करने पर फोकस किया है। 2027 को होने वाले विधानसभा चुनाव में सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव के पीडीए को करारा जवाब देने के लिहाज पार्टी ने फील्डिंग सजायी है। कानपुर उत्तर में ब्राह्मण, दक्षिण में रिपीट (ठाकुर), ग्रामीण में अनुसूचित जाति और कानपुर देहात में पिछड़ी जाति के नेता को संगठन ने कमान सौंपी है। पार्टी ने व्यूह रचना चुनावी लिहाज से की है। कानपुर लोकसभा क्षेत्र की पांच विधानसभा क्षेत्रों में तीन समाजवादी पार्टी और दो भाजपा के खातें में आयीं थी। सीसामऊ सीट भी भाजपा हार गयी थी।

दूसरी तरफ ग्रामीण और देहात की सीटें जीतीं। संगठन के पेच कसने के साथ ही भाजपा अबकी सूपड़ा साफ करने के इरादे से 2027 में उतरेगी। यही नहीं पंचायत चुनाव में भी कड़ी परीक्षा होगी। सबसे पहले कानपुर दक्षिण जिलाध्यक्ष का नाम घोषित किया गया तो शिवराम सिंह मारे खुशी के रो पड़े। भाजपा ने 70 जिलाध्यक्षों की सूची में कानपुर दक्षिण समेत 22 जिलाध्यक्षों को रिपीट किया है।

बताते हैं कि यह प्रदर्शन के आधार पर है। दीपू पांडे को रिपीट किए जाने की उम्मीद थी पर अनिल दीक्षित का नाम आते वह और उनके समर्थक निराश हो गए। ग्रामीण और देहात में तो पहले से ही परिवर्तन तय माना जा रहा था।

ग्रामीण में दिनेश कुशवाहा के स्थान पर दलित को कमान देने की चर्चा के साथ ही पूर्व विधायक उपेंद्र पासवान का नाम लगभग तय माना जा रहा था। इस जिले में बिठूर, कल्यानपुर, महाराजपुर और घाटमपुर (सु) सीटें हैं। दलितों का खासी संख्या में यहां वोट है। उत्तर जिला से अनिल दीक्षित का नाम आते ही दीपू पांडे खेमा सन्न रह गया। अनिल को बुलाया जाता रहा पर वह दस मिनट बाद पहुंचे। बताते हैं कि ज्योतिष गणना के हिसाब से वह चल रहे थे। अनिल का नाम पहले भी चर्चा में था पर बाजी दीपू मार ले गए थे। अबकी अनिल को मौका दिया गया। ब्राह्मणों पर उनकी पकड़ मजबूत बतायी जाती है। कानपुर देहात में मनोज शुक्ला के स्थान पर पिछड़ा कार्ड खेला गया। रेणुका सचान को अध्यक्षी सौंपकर महिला और पिछड़ा कार्ड दोनों ही भाजपा ने खेल दिया।

सबको साधकर चलते रहे शिवराम

दक्षिण जिलाध्यक्ष शिवराम सिंह अपने स्वभाव के अनुकूल सबको साधकर चलते रहे। इससे पहले वह अनीता गुप्ता और वीना आर्या की कमेटी में महामंत्री थे। अध्यक्षी का यह उनका दूसरा टर्म है। शिवराम विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना, एमएलसी मानवेंद्र सिंह, क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल, एमएलए महेश त्रिवेदी के साथ ही सांसद रमेश अवस्थी और मंत्रियों को भी साधे रहे। उनसे समर्थन पाने का शायद ही कोई कोना छूटा हो। आवास पर ही उन्होंने कार्यालय बना रखा है। लोग कहते थे कि सबसे मजबूत शिवराम को कोई नहीं हिला पाएगा।

बड़े नेताओं से 'सेटिंग' में कमजोर पड़ गए दीपू पांडे

दीपू पांडे ने सोचा भी नहीं होगा कि उनकी कुरसी के पाये बड़े नेता खींचने में लगे हैं। उन्हें लग रहा था कि टीम बनाने का मौका नहीं मिला। अबकी टीम बनाकर संगठन चलाएंगे। पर ऐसा नहीं हो पाया। उनके करीबी कहते हैं कि लोकसभा चुनाव में सांसद रमेश अवस्थी के लिए उन्होंने रणनीतिबद्ध तरीके से काम किया था पर सूत्र बताते हैं कि सांसद की पहली पसंद अनिल दीक्षित थे।

जिसकी भनक उन्होंने किसी को नहीं लगने दी। गोविंदनगर और कल्यानपुर विधायक क्रमशः सुरेंद्र मैथानी और नीलिमा कटियार अध्यक्ष पद पर दीपू को मौका देने के पक्ष में नहीं रहे। उनके तगड़े पैरोकार सांसद देवेंद्र सिंह भोले रहे जिनकी अबकी बार नहीं चल पायी।

अनिल दीक्षित के तार वीएसएसडी कालेज की छात्र राजनीति से जुड़े हैं। सूत्रों के अनुसार फर्रुखाबाद में रहने वाले कालेज के पुराने छात्रों से भी अनिल दीक्षित ने अपनी मजबूती के लिए सम्पर्क किया था। फर्रुखाबादियों का सांसद से करीबी संपर्क काम आया। खबर है कि कानपुर-बुंदेलखंड क्षेत्रीय संगठन के गठन में दीपू को सम्मानजनक पद से नवाजा जा सकता है।

तालाब में उतराता मिला युवक का शव, हत्या की आशंका

» पिछले तीन दिनों से लापता थायुवक, परिजनों ने पुलिस से की थी शिकायत

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर। पिछले तीन दिन से लापता युवक की लाश चौबेपुर थाना क्षेत्र के जादेपुर गांव के बाहर एक तालाब में उतराती मिली तो हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुँचे परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। जानकारी के मुताबिक 30 वर्षीय अनिल तीन दिनों से घर से लापता था।काफ़ी खोजबीन के बाद परिजनों ने पुलिस को सूचना दी थी। सोमवार की सुबह ग्रामीणों को तालाब में एक शव उतराता दिखा। जिसकी सूचना पुलिस को दी गई। उधर परिजनों ने कपड़ों के आधार पर लाश को पहचान लिया। परिजनों का आरोप है कि युवक की हत्या कर शव को तालाब में फेंका गया। शव को कब्जे में लेकर पुलिस मामले की जाँच कर रही है।

अनुराग कश्यप की फिल्म में दिखेंगे कानपुर के निखिल

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। हाल में ही ओटीटी पर रिलीज हुई ड्रामा सीरीज 'द वॉकिंग ऑफ ए नेशन' में शहर के निखिल दुबे ने अपनी अदाकारी से सबका दिल जीत लिया। वकील शाह के करेक्टर में दिखे निखिल का एक डॉयलाग खूब सराहा जा रहा है,उसे उसकी छांव नसीब हो, आने वाली पुश्तें जब उसकी छांव में बैठती हैं तो पेड़ लगाने वाले को दुआएं देती हैं। रंगमंडल की सीढ़ी से बॉलीवुड तक पहुचें निखिल दुबे ने अमृत विचार से बातचीत में बताया कि वह जल्द ही अनुराग कश्यप की फिल्म में भी नजर आएंगे। यह फिल्म अभिनेता बॉबी देओल के साथ वह कर रहे हैं। मूलभूत से कानपुर देहात व वर्तमान में नौबस्ता के रहने वाले निखिल दुबे ने बताया कि 2014 में 19 वर्ष की आयु में दिल्ली गया था। यहां थिएटर में फ्री लांस काम किया, साथ ही इंटर की पढ़ाई भी शुरू की। दिल्ली में ही श्रीराम रंगमंडल में काम किया इसके

बाद नेचुरल स्कूल ऑफ ड्रामा में एडमिशन लिया। 1 अप्रैल 2022 मुंबई आया और सीआईडी प्रोडक्शन में बतौर कास्टिंग काम करना शुरू किया।

क्राइम पेट्रोल में मिला पहला किरदार

निखिल ने बताया कि मुंबई में कास्टिंग के रूप में कार्य करते समय एक बार एक एक्टर सेट पर नहीं पहुंचा तो डॉयरेक्टर ने मुझे मौका दिया। पहला रोल क्राइम पेट्रोल शो के लिये मिला जिसमें मुखिया के राइट हैंड का किरदार मिला। इसके बाद लगातार वेब सीरीज में काम किया। जिसमें पाताल लोक सीजन 2, मां कसम, लेडीज हॉस्टल, अदृश्यम वेब शो किया।

निर्देशक राम माधवानी ने दिया मौका

निखिल ने बताया कि निर्देशक राम माधवानी ने 'द वॉकिंग ऑफ ए नेशन' में मौका दिया। जिसमें वकील के किरदार में मुझे फिल्म के सभी 6 पार्ट में काम करने का मौका मिला है। उन्होंने बताया कि यह 6 पार्ट जलियावाला बाग कांड पर फिल्माया गये हैं। फिल्म में बताया गया है कि जलियावाला बाग कांड एक साजिश था। जनरल डॉयर सिर्फ कठपुतली था जबकि इसके पीछे कई राज थे जो फिल्म के जरिये दर्शकों को बताने की कोशिश की गई है।

पिता का ढाबा, मध्यमवर्गीय परिवार

निखिल ने बताया कि पिता सत्यप्रकाश दुबे शहर में ढाबा चलाते हैं। मां संगीता दुबे गृहणी हैं। परिवार में भाई भाभी भी हैं। उन्होंने बताया कि मध्यवर्गीय परिवार के बावजूद घर का हमेशा साथ मिला है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादक: अनूप कुमार RNI No.: UPHIN/2023/86769 | Email: swarajindia2023@gmail.com | Mob: 7800009853, | Website: www.swarajindianews.com | प्रधान संपादक रतन प्रकाश सिंह (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

एक दूजे के न हो सके तो चुनी मौत...

» प्रेम प्रसंग के चलते प्रेमी युगल ने की आत्महत्या

» पहले खेली होली फिर पेड़ से लगाई फांसी

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। प्यार एक बेहद ही खास फीलिंग है, जिसे हर कोई एक ना एक बार जरूर महसूस करता है। इस दुनिया में हर किसी को किसी न किसी से प्यार तो हो ही जाता है पर किसी का प्यार हमेशा के लिए रहता है तो किसी का प्यार धोखे में तब्दील हो जाता है। ऐसे में मन उदास हो जाता है। ऐसे में कुछ शायरियां आपके मन को शांत कर सकती हैं। एक प्रेमी युगल ने संदिग्ध परिस्थितियों में जामुन के पेड़ में फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है।

मामला कानपुर देहात के रसूलाबाद थाना क्षेत्र का है। यहां के पूरनपुरवा गांव के रहने वाले लाल जी तिवारी की 17 वर्षीय पुत्री साक्षी तिवारी व रामप्रकाश के 17 वर्षीय पुत्र शैलेंद्र संखवार ने शनिवार को गांव के बाहर खेत में लगे जामुन के पेड़ में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली

।घटना की जानकारी मिलने पर परिजनों में कोहराम मच गया तथा इलाके में सनसनी फ़ैल गई ।घटना की सूचना पुलिस को दी गई।

सूचना मिलने पर थाना प्रभारी अनिल कुमार तत्काल पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे तथा परिजनों तथा ग्रामीणों से घटना के संबंध में जानकारी जुटाई ।फोरेंसिक टीम को मौके पर बुलाकर साक्ष्य एकत्र कराए गए ।तत्पश्चात पुलिस ने शवों का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

पुलिस की प्राथमिक जांच में प्रेम प्रसंग का मामला सामने आया है।

थाना प्रभारी अनिल कुमार ने बताया कि मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है ।पुलिस मामले की गहनता से जांच पड़ताल कर रही है ।पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर अग्रिम कार्यवाही की जाएगी।

विशेष पहल से गांवों के सामुदायिक शौचालयों का कायाकल्प शुरू

कायाकल्प के माध्यम से सामुदायिक शौचालयों में स्वच्छता की सभी मूलभूत आवश्यकताएं की गयी है सुनिश्चितः मुख्य विकास अधिकारी

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। जिलाधिकारी आलोक सिंह के मार्गदर्शन एवं मुख्य विकास अधिकारी लक्ष्मी एन0 की विशेष पहल से जनपद में स्वच्छ भारत मिशन के तहत गांवों में निर्मित विभिन्न सामुदायिक शौचालयों का कायाकल्प किया गया है। इस पहल के द्वारा जनपद में पहले से बने लेकिन खराब स्थिति में पड़े समुदायिक शौचालयों का कायाकल्प करके उन्हें पुनः संचालन योग्य बनाया गया है, ताकि स्थानीय नागरिकों को स्वच्छता और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया जा सके साथ ही इस कायाकल्प के तहत समुदायिक शौचालयों में सभी बुनियादी सुविधाओं को सुधारने का कार्य किया गया एवं जलापूर्ति, सफाई, समुदायिक शौचालय के आंतरिक व बाहरी मरम्मत, वेंटिलेशन, और स्वच्छता की अन्य सभी मूलभूत आवश्यकताएं सुनिश्चित की गईं है ताकि समुदायिक शौचालयों का फिर से चालू कर संचालन सुनिश्चित किया जा सके।

स्वराज इंडिया की मुहिम के बाद ग्राम पंचायतों में सजाए गए सामुदायिक शौचालय

मुख्य विकास अधिकारी द्वारा बताया गया है कि सामुदायिक शौचालयों की सफाई और रख–रखाव के लिए विशेष दिशा–निर्देश जारी किए गए हैं। महिला समूहों को शौचालयों का संचालन और सफाई सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदारी सौंपी गई है। इन महिलाओं को यह निर्देश दिए गए हैं कि वे नियमित रूप से समुदायिक शौचालयों को खोलें और उनकी सफाई का विशेष ध्यान रखें। जिला पंचायती राज अधिकारी की निरंतर समीक्षा और मार्गदर्शन से यह सुनिश्चित किया गया है कि जनपद के सभी सामुदायिक शौचालयों में कायाकल्प का कार्य सही तरीके से पूर्ण हो सका है। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा निर्देश प्रदान किये गए है कि सामुदायिक शौचालयों की संचालन प्रक्रिया में कोई समस्या न आए एवं उनके द्वारा निरंतर शौचालयों का औचक निरिक्षण किया जाए जिससे कार्य में पारदर्शिता बनी रही। यह कायाकल्प प्रक्रिया जिले में स्वच्छता की स्थिति को बेहतर बनाने और ग्रामीण क्षेत्रों में नागरिकों को सुविधाजनक व स्वच्छ शौचालय उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी। इस पहल से न केवल स्वच्छता बढ़ेगी, बल्कि महिलाओं के लिए भी एक सुरक्षित और स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित होगा। जिला प्रशासन की यह पहल जिले में स्वच्छता, स्वास्थ्य और महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

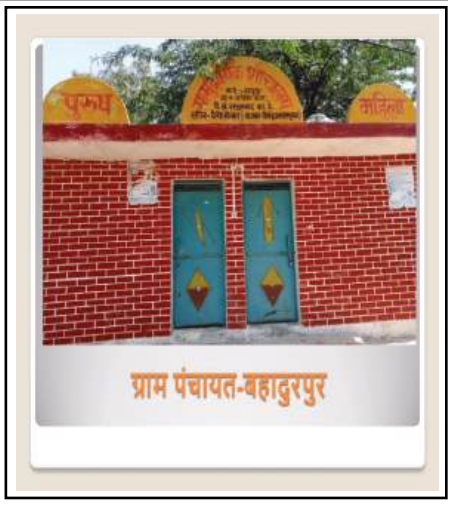

पुखरायां में फूलों की होली

कान्यकुब्ज वैश्य समाज ने किया होली मिलन समारोह

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। कान्यकुब्ज वैश्य समाज ने किया होली मिलन समारोह का आयोजन , फूलों की होली खेल दी शुभकामनाएं ।

पुखरायां कस्बा स्थित होटल इंद्र पैराडाइज में कान्यकुब्ज वैश्य समाज पुखरायां के स्वजातीय लोगो के द्वारा होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया । जिसमें कार्यक्रम में पहुंचे कान्यकुब्ज वैश्य समाज के लोगो का स्वागत किया गया और सभी के साथ फूलों की होली खेली गयी । और एक दूसरे को होली की शुभकामनाएं और बधाई दी ।

आपको बता दे कि पुखरायां कस्बे में कान्यकुब्ज वैश्य समाज के द्वारा आयोजित होली मिलन समारोह की शुरुआत माँ सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्ज्वलित कर और सरस्वती वंदना से की गई ।

इसके बाद यज्ञसेनी महाराज की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए बुजुर्गों को माला पहनाकर सम्मानित किया गया । वही होली मिलन समारोह कार्यक्रम में नन्हे मुन्हे बच्चों और महिलाओं ने गीत और कविता प्रस्तुत कर कार्यक्रम में पधारे सभी लोगो का मन मोह लिया । वही ऐसे होनहार बच्चों महिलाओं को भी सम्मानित किया गया । वही होली मिलन समारोह कार्यक्रम में कानपुर देहात , कानपुर नगर के अलावा आसपास के जिलों से कान्यकुब्ज वैश्य समाज के लोग पहुंचे । और सभी को सम्मानित किया गया । साथ ही सभी स्वजातीय लोगो ने अपने अपने विचार व्यक्त करते हुए समाज को आगे बढ़ाने की दिशा पर जोर दिया ।

वही समाज के गरीब परिवारों के बेटा बेटियों की शिक्षा में मदद करने की

सहमति बनी । जिससे समाज के गरीब परिवारों के बच्चे भी समाज के साथ देश का नाम रोशन करें ।

समाज के लोगो की हर सम्भव मदद करने की बात कही गयी । वही कार्यक्रम के समापन पर फूलों की होली खेली गई और सभी ने एक दूसरे को गले लगाकर होली की शुभकामनाएं और बधाई दी ।

कार्यक्रम में रामसजीवन गुप्ता घाटमपुर , विजय गुप्ता पुखरायां , ब्रजकिशोर गुप्ता पुखरायां , संजय गुप्ता पुखरायां , दिनेश गुप्ता पुखरायां , कल्लू गुप्ता मूसानगर , गोलू गुप्ता नबीपुर , बबलू गुप्ता मुरीदपुर , रमेश गुप्ता कानपुर , मनोज गुप्ता पुखरायां , कृष्णा गुप्ता , रामविलास गुप्ता , रामबिहारी गुप्ता , लक्ष्मीनारायण गुप्ता , सुभाष गुप्ता , लाभचंद्र गुप्ता , सोमनाथ गुप्ता , राजेन्द्र गुप्ता , वैभव गुप्ता , रामबाबू गुप्ता , अनिल गुप्ता , राजकुमार गुप्ता , धर्मेंद्र गुप्ता , मोनू गुप्ता , सोनू गुप्ता आदि स्वजातीय बंधु मौजूद रहे ।

ऋषि परम्परा द्वारा लिखित सिद्धांतो और परंपराओं का विज्ञान भी अंतिम सत्य है...

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

जिस तरह हमारा आपका मोबाइल नेटवर्क दिखाता है, काल कनेक्ट करता है लेकिन मोबाइल नेटवर्क को टावर से जोड़ने वाली तरंगे नही दिखाता फिर भी मोबाइल तो काम करता ही है। ठीक इसी तरह आपने बायोलॉजी पढ़ी हो या केमिस्ट्री, ऋषि परम्परा द्वारा लिखित आध्यात्मिक सिद्धांतो और परंपराओं का विज्ञान भी अंतिम सत्य है।

ऋषि अनुभव कहता है कि पानी को चाहे आरओ से फिल्टर कीजिये या यूवी से, किन्तु चौबीस घंटे से ज्यादा एकत्रित हुए पानी को बिना कॉटन के वस्त्र से छाने हुए नही पीना चाहिए और ना ही खाना पकाना चाहिये।

इस श्रष्टि के ज्ञात जल अवयवो में केवल गंगाजल ही एकमात्र है जिसमे कीड़े नही पड़ते, वह खराब नही होता। शेष आरओ और यूवी आपका वहम है क्योंकि आपका विज्ञान ही आज अपरिपक्व है।

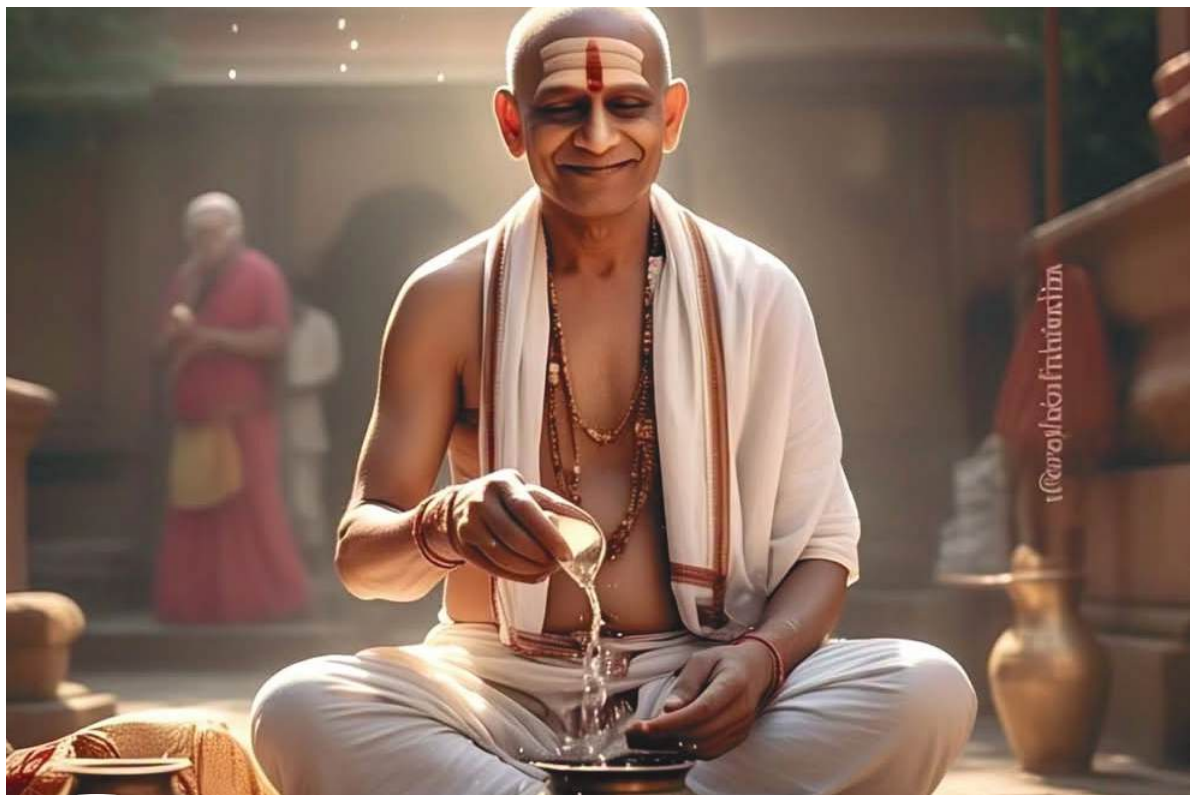

उदाहरण के तौर पर आवर्त सारणी में तत्वों का मान आज आप जो तय करते हैं, कुछ साल बाद दुनियां कोई अन्य वैज्ञानिक आकर उसे झुठला देता है या नया तत्व खोजकर उसका स्थान बदल देता है। विज्ञान हर चीज को समझ ही ले यह आवश्यक नही है क्योंकि विज्ञान वह चीज मात्र है जो किसी घटना या परिघटना में निहित कारणों का प्रयास करता है। वह कितना सफल है वह उक्त से स्पष्ट ही है।

किन्तु ऋषि परम्परा द्वारा पीढ़ी दर पीढ़ी प्रवाहित हुए सिद्धांत कभी नजरअंदाज नही करने चाहिए। आपका आरओ और यूवी तो इतना ज्यादा फिल्टर कर देता है कि खराब तत्वों के साथ साथ उन अच्छे तत्वों को भी फिल्टर कर देता है जो मानव शरीर के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। ज़रा नजर घुमाकर आरओ और यूवी का पानी पीने वालो तथा गावो में छानकर पानी पीने वाली की औसत आयु को अपनी आंखों से देख लीजिए। मेरी बात अक्षरश: सत्य सिद्ध होगी।

इसलिए यदि स्वस्थ रहना चाहते हैं, लम्बी आयु चाहते हैं तो खाने में इस्तेमाल होने वाला पानी कॉटन के वस्त्र से फिल्टर करने के उपरांत ही उपयोग में लें तथा उसे ही पियें। मुझे भी यह जानकारी उसी परम्परा के सन्त से प्राप्त हुई है जिन्होंने हमारी सभ्यता और संस्कारों को प्रवाहित करने का बीड़ा उठाया है। मुझे यह जानकारी सद्गुरु सत्संग के माध्यम से अर्थात स्वामिनारायण सम्प्रदाय के पूज्य सन्त श्री प्रियदर्शन स्वामी जी से प्राप्त हुई है। सोचा आप सब से भी आपके लाभार्थ शेयर की जानी चाहिए। यह जानकारी अधिकाधिक लोगो तक पँहुचाएँ।

निखिलेश मिश्रा
पूर्व आईटी ऑफिसर,
जेएनएनयूआरएम, भारत सरकार

लड़की के भगाने के आरोपी ने किया सुसाइड

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

औरैया। अजीतमल औरैया में एक दिल दहलाने वाली घटना घटी। अजीतमल कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत ग्राम शेखूपुर आधारसिंह में अभिषेक पुत्र वेदप्रकाश दोहरे नामक युवक अज्ञात कारणों से फांसी पर लटका मिला, जिससे उसकी मौत हो गई। अभिषेक की उम्र करीब 20 वर्ष थी और वह बहेड़ा महेवा थाना बकेवर जनपद इटावा का निवासी था।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, अभिषेक अपनी बहिन के घर होली के दिन 13 तारीख को आया था। अज्ञात कारणों से उसने खेत पर आम के पेड़ पर शेखुपुर आधार सिंह में फांसी लगा ली। मृतक तीन भाइयों में सबसे छोटा था और उसके पिता मजदूरी का कार्य करते हैं।

पुलिस की जांच पड़ताल में पता चला कि मृतक अपने गांव बहेड़ा में कुछ दिन पूर्व एक लड़की को भगा कर लाया था, लेकिन लड़की किसी कारणवश घर चली गई।

इससे क्षुब्ध होकर लड़के ने अपनी बहिन के घर फांसी लगा ली।

मृत्यु की सूचना मिलते ही कोतवाली प्रभारी राजकुमार सिंह मय पुलिस फोर्स मौके पर पहुंचे और शव को पंचनामा भर कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और जल्द ही इसके पीछे के कारणों का पता लगाया जाएगा

शक्ति हाईट अपार्टमेंट में सेक्स रैकेट का खुलासा

सपा-भाजपा नेताओं का नाम आने से मचा हड़कंप

लखनऊ

» विशेष संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

अयोध्या/लखनऊ। लखनऊ के चिनहट थाना क्षेत्र में स्थित मल्हौर शक्ति हाईट अपार्टमेंट में बिना सूचना के रह रही 10 थाईलैंड की महिलाओं के मामले ने बड़ा राजनीतिक भूचाल खड़ा कर दिया है। पुलिस जांच में अपार्टमेंट मालिक शक्ति सिंह के समाजवादी पार्टी और भाजपा के एक बाहुबली नेता से गहरे संबंध सामने आए हैं।

पुलिस के अनुसार, शक्ति सिंह को टेलीफोनिक पूछताछ में विदेशी महिलाओं के बारे में कोई ठोस जानकारी नहीं थी। साथ ही, वे पुलिस के सामने आने से बच रहे हैं। जांच में हाई-प्रोफाइल सेक्स रैकेट की आशंका जताई जा रही है। इसके अलावा खुलासा हुआ है कि शक्ति सिंह उक्त सपा और भाजपा नेताओं के बिजनेस पार्टनर हैं, जिन्होंने मिलकर ट्रांसगोमती क्षेत्र में कई अपार्टमेंट बनाए और बेचे हैं।

मालिक व अन्य के खिलाफ मामला दर्ज

चिनहट थाना प्रभारी भरत पाठक ने बताया कि 11 मार्च को गोमतीनगर विस्तार स्थित एक होटल में एक विदेशी महिला का शव मिलने के बाद जांच शुरू हुई। इस दौरान पता चला कि शक्ति अपार्टमेंट में कई विदेशी महिलाएं रह रही हैं और उनकी गतिविधियां संदिग्ध हैं।

बता दे कि 12 मार्च को पुलिस ने अपार्टमेंट में छापेमारी कर छह फ्लैटों से 10 थाईलैंड की महिलाओं को बरामद किया। सभी के पास पासपोर्ट और वीजा थे, लेकिन वे यहां रहने का ठोस कारण नहीं बता सकीं। पूछताछ में एक महिला ने बताया कि उसका प्रेमी अर्चित उसे इस फ्लैट में लाया था। बाकी महिलाओं से भी पूछताछ की गई, लेकिन वे भी संतोषजनक जवाब नहीं दे सकीं। इसके बाद पुलिस ने अपार्टमेंट मालिक शक्ति सिंह, अर्चित और अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ बीएनएस की धारा 61, 318 (4), विदेशी अधिनियम 1946 की धारा 14ए, 7(1) और विदेशी पंजीकरण अधिनियम 1939 की धारा 5 के तहत केस दर्ज कर लिया है। पुलिस अब शक्ति सिंह के सामने आने का इंतजार कर रही है ताकि पूरे मामले की सच्चाई उजागर हो सके।

रास्ता हुआ साफ, इसी महीने होगा फैसला

जिला अध्यक्षों के बाद मिलेगा प्रदेश अध्यक्ष

» तमाम लोगों ने पहले से ही कर रखी है दावेदारी ।

» लखनऊ, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

भाजपा के 98 सांगठनिक जिलों में 70 जिला इकाइयों के अध्यक्षों की घोषणा के बाद प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव का रास्ता साफ हो गया है। सूत्रों का कहना है कि इस महीने के अंत तक प्रदेश को नया अध्यक्ष मिल जाएगा। इसके लिए तमाम लोगों ने पहले से ही दावेदारी कर रखी है, लेकिन माना जा रहा है कि जिलाध्यक्षों की घोषणा के बाद प्रदेश अध्यक्ष के लिए भागदौड़ और तेज होगी।

भाजपा के संविधान में यह प्रावधान है कि किसी भी प्रदेश में अध्यक्ष के चुनाव के लिए कम से कम 50 प्रतिशत जिलों में अध्यक्षों का चुनाव संपन्न होना चाहिए। इस लिहाज से भाजपा ने यूपी में इस मानक को पूरा कर लिया है। पार्टी हाईकमान ने राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के लिए 40 दिन का समय बढ़ा दिया है। इस समय सीमा के भीतर ही प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव संपन्न कराना पार्टी की मजबूरी है, इसलिए अब प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया भी जल्द शुरू होगी।

भाजपा के प्रदेश चुनाव अधिकारी डॉ. महेंद्र नाथ पांडेय ने भी कहा कि शेष रह गए 28 जिला अध्यक्षों के चुनाव के बाद भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। उम्मीद है कि इस महीने के अंत तक भाजपा को नया अध्यक्ष मिल जाएगा। सूत्रों के मुताबिक एक-दो नेता तो दिल्ली तक की दौड़ भी लगा चुके हैं। वहीं कई नेताओं स्थानीय बड़े नेताओं के जरिये अपना समीकरण बिठाने में जुट गए हैं।

भाजपा ने पहली मर्तबा जिले-जिले कार्यक्रम करवाकर नए अध्यक्षों के नामों की घोषणा करने का प्रयोग किया था। जिलों में किसी की नाराजगी न हो और किसी भी स्तर पर संगठन के फैसलों का विरोध न हो, इसके लिए प्रदेश चुनाव प्रभारी महेंद्रनाथ पांडेय, प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी और संगठन महामंत्री धर्मपाल लगातार प्रदेश मुख्यालय से ऑनलाइन मॉनिटरिंग करते रहे। संगठन महामंत्री धर्मपाल ने जिलेवार सूची जारी करने के दौरान नजर रखे हुए थे।

कानपुर महानगर की तीन जिला इकाइयों और देहात को मिलाकर देखा जाए तो सभी जातिगत समीकरण इन्हीं जिला इकाइयों में नजर आ रहे हैं। उत्तर जिले में ब्राह्मण, दक्षिण में ठाकुर, ग्रामीण में अनुसूचित और देहात में पिछड़ी जाति को विशेष रूप से जिम्मेदारी दी गई है।

पार्टियों के विधान के अनुरूप महिलाओं की जिम्मेदारी भी रखनी आवश्यक है, इसलिए पिछड़ी बिरादरी से महिला को जिम्मेदारी दे दी गई। देहात के आसपास की सभी विधानसभा और लोकसभा सीट पर पिछड़ी जातियों की संख्या अच्छी खासी है।

महिला जिलाध्यक्ष बनाए जाने से माना जा रहा है कि आगामी चुनाव में पार्टी को इसका लाभ मिल सकता है। इसके अलावा जिन लोगों को जिलाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है, वे सभी संगठन में अलग-अलग पदों पर लंबे समय से काम करते आ रहे हैं।

10वीं की छात्रा के साथ सपा नेता ने किया रेप

कमरे में ले जाकर जान से मारने की दी धमकी

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

बलिया। उत्तर प्रदेश के बलिया में एक स्कूल के प्रबंधक एवं समाजवादी शिक्षक सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जनार्दन यादव को 10वीं की छात्रा से दुष्कर्म के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। घटना 1 मार्च को गणित की परीक्षा के दिन हुई। आरोप है कि जनार्दन यादव ने मदद के बहाने छात्रा को एक कमरे में ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया और उसे धमकी भी दी। छात्रा के चाचा की शिकायत पर रविवार को मामला दर्ज हुआ और सोमवार को आरोपी यादव को गिरफ्तार कर लिया गया। छात्रा का मेडिकल कराया गया है।

बलिया जिले में एक स्कूल प्रबंधक पर 10वीं कक्षा की छात्रा से दुष्कर्म का संगीन आरोप लगा है। पीड़िता गाजीपुर जिले की रहने वाली है और बलिया के भीमपुरा थाना क्षेत्र के स्कूल में परीक्षा देने आई थी। 1 मार्च को गणित के पेपर के दिन स्कूल के प्रबंधक जनार्दन यादव ने कथित तौर पर मदद का झांसा देकर छात्रा के साथ एक कमरे में दुष्कर्म किया। जनार्दन यादव समाजवादी शिक्षक सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भी है।

छात्रा के चाचा ने पुलिस को दी तहरीर में बताया जनार्दन यादव ने उनकी भतीजी को धमकी भी दी थी कि अगर उसने किसी को बताया, तो उसे जान से मार देगा। इसके बाद उन्होंने रविवार को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

बलिया के एसपी ओमवीर सिंह ने बताया कि छात्रा के चाचा की शिकायत पर जनार्दन यादव के खिलाफ आईपीसी और पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। रविवार को मामला दर्ज होने के बाद पुलिस ने सोमवार को जनार्दन यादव को गिरफ्तार कर लिया। एसपी ने बताया कि छात्रा को मेडिकल जांच के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है।

अखिलेश यादव और डिप्टी सीएम मौर्य के बीच जुबानी जंग हुई तेज

अपमान और तुष्टीकरण की राजनीति का जवाब उत्तर प्रदेश की जनता देगी

» लखनऊ, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता केशव प्रसाद मौर्य और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के बीच पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) को लेकर फिर जुबानी जंग तेज हो गई। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने पिछले वर्ष लोकसभा चुनाव के दौरान पीडीए का नारा देकर पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यकों को एक साथ जोड़ने की मुहिम शुरू की थी और उनकी पार्टी को इसका लाभ मिला। अखिलेश यादव ने सोमवार को एक्स पर पोस्ट कर कहा कि पीडीए 90 फीसदी जनता की एकता का नाम है। पीडीए संविधान और आरक्षण की ढाल है।

मिली जानकारी के मुताबिक, सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने एक्स पर एक अन्य पोस्ट में भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा की नकारात्मक राजनीति समाज में संकट और दूरियां पैदा करने की रही है। यादव ने कहा कि भाजपाइयों ने एंग्लो-इंडियन का आरक्षण समाप्त किया, किसानों को परेशान करने के लिए काले कानून लाए, नोटबंदी से

हर नागरिक को परेशान किया, जीएसटी से छोटे दुकानदारों, व्यापारियों और कारोबारियों को परेशान किया, धर्म-जात की विभेदकारी नफरत की राजनीति की और अब वक्फ की सियासतज। सपा प्रमुख ने कहा कि दरअसल भाजपा को ये डर है कि उनका जो भी 5-10 प्रतिशत कट्टर समर्थक है, उसे कैसे खुश करके बचाया-बनाया जा सके नहीं तो भाजपा के लिए एक-दो सीट के भी लाले पड़ जाएंगे।

वहीं, उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने एक्स पर कटाक्ष करते हुए कहा कि सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव जी, आप मुझे गाली दें या अपमान करें, लेकिन मैं आपके लिए हमेशा आदरसूचक शब्दों का ही उपयोग करूंगा। मौर्य ने कहा कि परंतु याद रखें, आपके अपमान और तुष्टीकरण की राजनीति का जवाब उत्तर प्रदेश की जनता देगी। पिछड़े वर्ग और गरीब आपकी साइकिल पंचर कर सपा को समाप्तवादी पार्टी बना देंगे। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सच्चाई यह है कि आपको कभी भी कोई मजबूत पिछड़ा नेता सहन नहीं होता। आपका पीडीए (परिवार डेवलपमेंट एजेंसी) केवल धोखेबाजी है। अगर आप वास्तव में छत्रपति शिवाजी महाराज के समर्थक होते, तो औरंगजेब का महिमामंडन करने वाला विधायक अबू आजमी अब तक सपा से बाहर होता।